भारतीय स्वास्थ क्षेत्र में सुधार का एक प्रयास

भारत में स्वास्थ सेवा, एक उपेक्षित क्षेत्र रहा है। महामारी के दौर ने इस क्षेत्र में कर्मचारियों की संख्या वृद्धि को रेखांकित किया है। इस प्रणाली में कम से कम बुनियादी स्तर की क्षमता रखने वाले पर्याप्त चिकित्सक रखने की दृष्टि से सरकार ने चिकित्सा में काम करने के लिए लाइसेंस प्राप्त करने की प्रणाली प्रारंभ की है।

कुछ मुख्य बातें -

- चिकित्सकों को लाइसेंस प्राप्त करने के लिए नेशनल एग्जिट टेस्ट देना होगा।
- इस परीक्षा में विश्व के किसी भी भाग से चिकित्सा स्नातक छात्र सम्मिलित हो सकेंगे।
- यह टेस्ट उनकी योग्यता की न्यूनतम सीमा का आकलन करेगा।
- यह प्रणाली कम गुणवत्ता रखने वाले संस्थानों की पहचान करने में मदद करेगी। इससे चिकित्सा शिक्षा आयोग को सुझाव दिए जा सकेंगे। छात्रों को सलाह देने का मार्ग स्पष्ट हो सकेगा।

चिकित्सा - शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए यह एक उत्तम निर्णय कहा जा सकता है। भारत के स्वास्थ्य ढांचे को विकसित करने में यह प्रणाली अद्वितीय सिद्ध हो सकती है।

‘द इकॉनॉमिक टाइम्स’ में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित।